



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 25 मई, 2009 / 4 ज्येष्ठ, 1931

हिमाचल प्रदेश सरकार

ADVOCATE GENERAL DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171001, the 23rd May, 2009

No.1-8/94-II-13840.—Sanction is hereby accorded to the grant of 6 days earned leave with effect from to Its to 6th June, 2009 in favour of Sh. P.M. Negi, Deputy Advocate General, State of Himachal Pradesh with permission to avail Sundays, summer vacation & second Saturday falling on 31st May 2009, & 7th to 14th June 2009.

Certified that Sh. P.M. Negi, Deputy Advocate General would have continued to officiate, but for his proceeding 6 days earned leave and that this period of leave will count for earning annual increment.

Certified that the said Sh. P.M. Negi, Deputy Advocate General is likely, on the expiry of leave to return for duty to the Station from where he proceeds on leave.

By order,
Sd/-
Advocate General.

TRANSPORT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 22nd May, 2009

TPT-B(1)-15/2000-Vol-I.—The Governor, Himachal Pradesh, on the recommendation of the Departmental Promotion Committee and with prior consultation of the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to appoint/promote the following officers of the Transport Department to the post of Regional Transport Officer (Non-HAS) Class-I Gazetted) in the pay Scale of Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11660 on regular basis with effect from assumption of the charge of the post in the public interest. The above officers are posted at the places shown against their names:—

Name & Designation	Posting
1. Sh. Bhoop Singh Thakur, Superintendent Grade-I	RTO, Chamba
2. Sh. Hemant Kumar Sushil, Assistant Commissioner (Transport)	RTO, Nahan

1. The above officers shall give option for fixation of pay under FR-22 within one month from the date of assuming charge of the post.

2. The promotion of above officers shall be subject to the final decision in O.A No.19/2008-Himachal Pradesh Samanya Karamchari Kalyan Mahasangh Versus State of H.P. & others.

By order,
Sd/-
Additional Chief Secretary.

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 22 मई, 2009

संख्या पी.सी.एच.—एच.ए.(3)25/2007.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषदों में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2009 का प्रारूप, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज

अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 186 के उपबन्धों के अधीन यथा अपेक्षित के अनुसार इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 2 मार्च, 2009 द्वारा जन साधारण से आक्षेपों और सुझावों को आमन्त्रित करने के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में 4 मार्च, 2009 को प्रकाशित किया गया था ;

और नियत अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है ;

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 186 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषदों में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2009 हैं।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 अभिप्रेत है ;

(ख) “मुख्य कार्यपालक अधिकारी” से, जिला परिषद् किन्नौर और लाहौल—स्पिति के मामले में परियोजना अधिकारी, एकीकृत जनजाति विकास परियोजना और अन्य दस जिला परिषदों के मामले में सम्बद्ध जिले के अतिरिक्त उपायुक्त अभिप्रेत है ;

(ग) “प्ररूप” से, इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ; और

(घ) “सचिव” से, सम्बद्ध जिला परिषद् का सचिव अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

3. पदों की संख्या और उनके वेतनमान.—(1) प्रत्येक जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक का एक पद होगा जो जिला परिषद् के अध्यक्ष के साथ कार्य करेगा और उसे 4400—150—5000—160—5800—200—7000 रुपए के वेतनमान में छह हजार छह सौ (6600) रुपए प्रतिमास की नियत उपलब्धियां या ऐसी उपलब्धियां जैसी राज्य सरकार द्वारा समय—समय पर अवधारित की जाए, संदत्त की जाएंगी।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को मासिक उपलब्धियां राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए उपबंधित सहायता अनुदान में से, सचिव के माध्यम से आबंटित की जाएंगी।

4. अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं.—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किये जाने वाले अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से दस जमा दो (10+2) अथवा इसके समतुल्य होगी :

परन्तु निरसित नियमों के अधीन जिला परिषद् में, 3000/—रुपए (तीन हजार रुपए) के मासिक पारिश्रमिक पर, पहले से ही निजी सहायक के रूप में नियुक्त व्यक्ति को,—

(i) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में पुनः पदाभिहित किया जाएगा ; और

(ii) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से तीन वर्षों के भीतर, दस जमा दो (10+2) की शैक्षिक अर्हता प्राप्त करनी होगी, अन्यथा निरसित नियमों के अधीन निजी सहायक के रूप में उसकी नियुक्ति के समय ऐसी अर्हता न रखने की दशा में उसकी संविदा नवीकृत/विस्तारित नहीं की जाएगी।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद पर नियुक्त किए जाने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी की, अंग्रेजी और हिन्दी में आशुलिपि की क्रमशः अस्सी और सत्तर शब्द प्रति मिनट और अंग्रेजी और हिन्दी में टंकण की क्रमशः चालीस और तीस शब्द प्रति मिनट की गति होनी चाहिए :

परन्तु केवल एक भाषा में आशुलिपि और टंकण की उपर्युक्त वर्णित अपेक्षित गति रखने वाला अभ्यर्थी भी, पद के लिए आवेदन करने का पात्र होगा और पद पर उसका चयन होने की दशा में पद ग्रहण करने की तारीख से छह मास के भीतर उसे अन्य भाषा में परीक्षा पास करनी होगी।

5. आयु और अन्य पात्रता शर्तें.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किया जाने वाला व्यक्ति पात्र होगा, यदि,—

- (क) उसकी आयु उस वर्ष, जिसमें वह पद के लिए आवेदन करता है, की प्रथम जनवरी को 18 से 45 वर्ष है ;
- (ख) वह सम्बद्ध जिले का वास्तविक निवासी है ;
- (ग) वह स्वस्थचित और अच्छे स्वास्थ्य वाला है ;
- (घ) वह लोक सेवा में नियुक्ति के लिए निर्धारित न किया गया हो या अनुशासनात्मक आधार पर लोक सेवा से हटाया न गया हो अथवा उसने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के अधीन स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति न ली हो;
- (ङ) वह नैतिक अधमता में अन्तर्वलित किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध न किया गया हो; और
- (च) उसके द्वारा राज्य सरकार या जिला परिषद् के प्रति कोई बकाया राशि देय नहीं है।

6. आवेदन आमंत्रित करना और चयन के लिए प्रक्रिया.—(1) सम्बद्ध जिला परिषद्, अपने सचिव के माध्यम से, व्यापक प्रचार करते हुए, सम्बद्ध जिला परिषद् के कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना प्रदर्शित करते हुए और सम्बद्ध जिले के नियोजनालय के माध्यम से और जिले में विस्तृत रूप में परिचालित एक दैनिक समाचार पत्र में विज्ञापन द्वारा पद के लिए पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित करेगी। आवेदन, सचिव, को सम्बोधित किया जाएगा। आवेदन प्रस्तुत करने के लिए, सूचना की तारीख से 15 दिन की न्यूनतम अवधि दी जाएगी और आवेदन को सचिव द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित और स्टाम्पित रसीद सहित, प्राप्त और अभिस्वीकृत किया जाएगा।

(2) आवेदन प्राप्त करने के लिए विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के ठीक पश्चात्, सचिव, उक्त पद का साक्षात्कार संचालित करने के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करेगा। सचिव, चयन समिति के सदस्यों के साथ-साथ आवेदकों को भी साक्षात्कार के लिए नियत की गई समय अनुसूची को सूचित करते हुए, एक सूचना (नोटिस) जारी करेगा:

परन्तु सूचना (नोटिस) जारी करने की तारीख और साक्षात्कार की तारीख के मध्य, न्यूनतम दिन की अवधि का अन्तर रहेगा।

(3) साक्षात्कार, निम्नलिखित चयन समिति द्वारा संचालित किया जाएगा:—

- | | |
|--|--------------|
| (i) जिला परिषद् का अध्यक्ष | : अध्यक्ष |
| (ii) जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का परियोजना अधिकारी | : सदस्य |
| (iii) सम्बद्ध जिला के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से आशुलिपि अनुदेशक। | : सदस्य |
| (iv) सचिव | : सदस्य सचिव |

(4) सचिव, अभ्यर्थियों द्वारा उनके आवेदनों के साथ दी गई सूचना के आधार पर उप नियम (6) में दर्शित मापदण्ड के आधार पर, प्रत्येक अभ्यर्थी की एक आंकड़ा सूची का संकलन करेगा, और उक्त आंकड़ों को संकलित करने का कार्य, साक्षात्कार की तारीख से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। वह यह सुनिश्चित करेगा कि यह आंकड़े (डाटा), चयन समिति को अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार की तारीख पर लाए गए मूल अभिलेख के साथ साक्षात्कार की तारीख पर, इसके सत्यापन के लिए उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

(5) चयन समिति, प्रमाण पत्रों को उनकी मूल प्रति के साथ सत्यापित करेगी और उसी स्थान पर टंकण और आशुलिपि की परीक्षा का संचालन भी करेगी।

(6) चयन, अभ्यर्थियों के काम के आधार पर पूर्णतया गुणागुण आधार पर कुल एक सौ नम्बरों में से किया जाएगा, जिन्हें निम्नलिखित रीति में विभाजित किया जाएगा :—

(क) शैक्षिक अहर्ताएं:—

- | | |
|---|---------------------|
| (i) दस जमा दो (10+2) और इसके समतुल्य में प्राप्त किए गए अंकों को 2.5 से भाग देकर प्रतिशत। | : अधिकतम 25 अंको तक |
| (ii) स्नातक डिग्री में प्राप्त किए गए अंकों को 20 से भाग देकर प्रतिशत। | : अधिकतम 5 अंको तक |

(ख) अनुभव:—(अभ्यर्थी द्वारा सुसंगत स्वरूप के कर्तव्यों में प्रत्येक वर्ष के अनुभव के लिए चाहे, वह सरकारी विभाग में या किसी निजी सैक्टर उपक्रम में अथवा ख्याति प्राप्त गैर-सरकारी संस्थान में या किसी पंचायती राज संस्थान में किया गया हो, एक अंक दिया जाएगा)

: अधिकतम 5 अंको तक

(ग) आशुलिपि और टंकण टैस्ट में पालन(कार्य) के लिए : अधिकतम :—

- | | |
|-------------------------------|--------------|
| (i) अंग्रेजी भाषा में आशुलिपि | : 15 अंको तक |
| (ii) अंग्रेजी भाषा में टंकण | : 10 अंको तक |

- (iii) हिन्दी भाषा में आशुलिपि : 15 अंको तक
- (iv) हिन्दी भाषा में टंकण : 10 अंको तक
- (घ) निजी साक्षात्कार : अधिकतम 5 अंको तक
- (ङ) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्ध रखने वाले अभ्यर्थी की दशा में : 4 अंक
- (च) गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से सम्बन्ध रखने वाले अभ्यर्थी की दशा में : 3 अंक
- (छ) शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थी की दशा में : 3 अंक

(7) सचिव, गुणागुण के क्रम में अभ्यर्थियों का एक पैनल बनाएगा और जो अभ्यर्थी पैनल में प्रथम स्थान पर है, को कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए चयनित किया जाएगा। कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के चयन के पश्चात्, अभ्यर्थियों की उनके गुणागुण के क्रम में, आकस्मिक रिक्तियों को भरने के लिए, यदि किसी के द्वारा, कार्यग्रहण न कर पाने या अन्य किसी कारण से उपगत होती है, तो उसे भरने के लिए एक प्रतीक्षा सूची तैयार की जाएगी और ऐसी प्रतीक्षा सूची उस कैलेंडर वर्ष के लिए, जिसमें अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, विधिमान्य होगी।

7. नियुक्ति के लिए निबन्धन और शर्तें.—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद की नियुक्ति पूर्णतया संविदा के आधार पर, एक वर्ष के लिए होगी जिसे कार्य ग्रहण की तारीख से गिना जाएगा। सचिव, नियुक्ति प्राधिकारी होगा और नियुक्ति पत्र प्ररूप-1 में जारी किया जाएगा। कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, नियुक्ति पत्र प्राप्त करने की तारीख से पंद्रह दिन के भीतर कार्य करने के लिए रिपोर्ट करेगा:

परन्तु कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक की संविदा, उसके कर्तव्यों के संतोषजनक पालन के आधार पर, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उचित समझे जाने पर, वर्षानुवर्ष आधार पर नवीकृत की जा सकेगी।

(2) सचिव, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किए गए व्यक्ति के साथ प्ररूप-2 में संविदा करार पर हस्ताक्षर करेगा।

(3) सचिव, यदि उचित समझे, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को एक मास के पूर्व नोटिस के साथ मुक्त कर सकेगा/हटा सकेगा, यदि,—

- (क) वह दूसरी भाषा में आशुलिपि और टंकण लेखन परीक्षा को कार्यग्रहण करने की तारीख से छह मास के भीतर अर्हित करने में असफल रहता है और ; यदि उसने नियुक्ति के समय उसे एक भाषा में ही अर्हित किया है ; या
- (ख) जिला परिषद् के पास पारिश्रमिक संदत्त करने के लिए पर्याप्त निधि न हो ; या
- (ग) यथास्थिति, जिला परिषद् का अध्यक्ष या सचिव, नियुक्त व्यक्ति की सेवाओं से संतुष्ट नहीं होता है ; या
- (घ) वह इन नियमों के उपबन्धों के अधीन विनियमित (शासित) किए जाने का इच्छुक नहीं है :

परन्तु कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को तब तक मुक्त नहीं किया/हटाया नहीं जाएगा जब तक उसे सुनवाई का अवसर न दे दिया जाए।

8. यात्रा और दैनिक भत्ते का संदाय.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, जिला परिषद् के कार्य कलापों के सम्बन्ध में उसके द्वारा की गई यात्रा के लिए, राज्य सरकार के ग्रेड-V के कर्मचारियों को अनुज्ञेय यात्रा और दैनिक भत्ते को लेने का हकदार होगा। यात्रा और दैनिक भत्ते हेतु व्यय का संदाय, जिला परिषद् द्वारा इसकी अपनी निधि में से किया जाएगा।

9. प्रशासनिक नियन्त्रण.—सचिव, यात्रा कार्यक्रम का अनुमोदन करने, छुट्टी मंजूर करने और अनुशासनात्मक तथा पर्यवेक्षणात्मक मामलों सहित, समस्त प्रयोजनों के लिए नियंत्रण अधिकारी होगा।

10. अनुशासनिक कार्यवाहियां.—(1) सचिव द्वारा नियुक्त किए गए कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के अनाचार में आसक्त होने या उसके द्वारा कर्तव्य का सम्यक सतर्कता और निष्ठा के साथ पालन नहीं करने या दाण्डिक अपराध में अंतर्वलित होने या अनुशासनहीनता का कार्य करने की दशा में, उसे सचिव द्वारा उसके आचरण का स्पष्टीकरण देने के लिए पूछा जा सकेगा। उसका आचरण संतोषप्रद न पाए जाने की दशा में, सचिव, जांच का आदेश दे सकेगा और मामले की गंभीरता पर निर्भर रहते हुए निम्नलिखित में से एक या अधिक शास्तियां अधिरोपित कर सकेगा:—

- (i) परिनिंदा(सैन्यायुर) ;
- (ii) दो सौ रुपए से पांच सौ रुपए तक का जुर्माना उसके पारिश्रमिक में से घटाकर ;
- (iii) की गई किसी हानि की वसूली ; और
- (iv) संविदा की समाप्ति।

(2) अभ्यर्थी, जिसके विरुद्ध शास्तियां अधिरोपित की गई हैं, द्वारा दाखिल की गई अपील, यदि कोई हो, पर विचार करने या विनिश्चय करने के लिए जिला परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अपीलीय प्राधिकारी होगा।

11. कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के कृत्य और कर्तव्य.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, दिन प्रतिदिन के शासकीय कारबार का निर्वहन करने में जिला परिषद् के अध्यक्ष की सहायता करेगा और वह जिला परिषद् के दिन प्रतिदिन के काम और कृत्यों के निपटान के लिए सचिव की सहायता भी करेगा।

12. प्रतिभू.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, उसके कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान उसके द्वारा की गई उपेक्षा या अनियमितता के कारण, यथास्थिति, राज्य सरकार या जिला परिषद् को हुई हानि, यदि कोई हो, को वसूल करने के लिए, दो हजार पांच सौ रुपए का प्रतिभूति-बंधपत्र, उसी रकम की दो प्रतिभूतियों के साथ देगा।

13. छुट्टी.—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, राज्य सरकार द्वारा समय समय पर अधिसूचित अन्य राजपत्रित छुट्टियों के अतिरिक्त, कलेण्डर वर्ष में बारह दिन का आकस्मिक अवकाश प्राप्त करने के लिए हकदार होगा।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, उसकी बीमारी के दौरान चिकित्सा आधार पर कलेण्डर वर्ष में दस दिन की चिकित्सा छुट्टी व्यतीत करने का भी हकदार होगा।

(3) यदि कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक महिला है, तो वह दो या दो से कम जीवित बच्चों के साथ अधिकतम बारह सप्ताह का प्रसूति अवकाश व्यतीत करने की हकदार होगी।

14. त्यागपत्र.—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, सचिव को लिखित में नोटिस देकर अपने पद से त्यागपत्र दे सकेगा।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकृत करने हेतु सचिव, सक्षम प्राधिकारी होगा, जो उक्त त्यागपत्र के प्रभावी होने की तारीख का विनिश्चय करेगा:

परन्तु सचिव, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकार (मंजूर) नहीं करेगा, यदि,—

- (i) उसके द्वारा की गई किसी क्षति की (वसूली) के लिए कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही विनिश्चय हेतु लंबित है; और
- (ii) उससे राज्य सरकार या जिला परिषद् को संदाय के लिए कोई बकाया राशि देय है:

परन्तु यह और कि कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक अपना त्यागपत्र उसके प्रभावी होने से पूर्व वापस ले सकेगा।

15. चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित विवाद.—चयन से सम्बन्धित किसी विवाद की दशा में, व्यथित व्यक्ति, इन नियमों के नियम 6 के उप नियम (7) के अधीन पैनल बनाए जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर, सम्बद्ध उपायुक्त के समक्ष अपील दाखिल कर सकेगा। उस पर उपायुक्त का विनिश्चय अन्तिम होगा।

16. कठिनाईयां दूर करने की शक्ति.—यदि इन नियमों के किसी भी उपबन्ध के निर्वचन या कार्यान्वयन में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो विषय (मामले) को, राज्य सरकार के स्पष्टीकरण और मार्गदर्शन के लिए निर्दिष्ट किया जा सकेगा, जो ऐसा आदेश जारी करके, जो अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो, ऐसी कठिनाई को दूर करने के लिए कोई भी कार्य करने के लिए सक्षम होगी।

17. निरसन एवं व्यावृत्तियां.—(1) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषद् में निजी सहायक की नियुक्ति और सेवा की शर्तें) नियम, 2005, इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को, और से, निरसित हो जाएंगे।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, बात या कार्यवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जाएगी।

प्ररूप-1
(नियम 7(1) देखें)

नियुक्ति पत्र

जिला परिषद् में श्री/श्रीमती/कुमारी.....पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री.....निवासी ग्राम.....
.....डाकघर.....तहसील.....जिला.....से कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद के लिए प्राप्त आवेदन के सन्दर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री/श्रीमती/कुमारी का उक्त पद के लिए चयन किया गया है। इसलिए, उसे एतद् द्वारा..... जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर नियुक्ति का प्रस्ताव किया जाता है:—

1. उसे.....रुपए (अंको में).....रुपए (शब्दों में) प्रतिमास उपलब्धियों (पारिश्रमिक) के रूप में संदत्त किए जाएंगे ;
2. कोई अन्य भत्ते, जो कोई राज्य सरकार के कर्मचारिवृन्द को समय समय पर अनुज्ञेय है, उसे संदत्त नहीं किए जाएंगे ;

3. नियुक्ति, कार्यग्रहण करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए संविदा के आधार पर की जाएगी ;
4. नियुक्ति, नियमों और करार में अधिकथित निबन्धनों और शर्तों के अध्यधीन की जाएगी;
5. सचिव, जिला परिषद् के समाधान के लिए, पूर्ववृत्त सत्यापन प्रमाण पत्र, कार्यकारी मजिस्ट्रेट या दो राजपत्रित अधिकारियों, जो उसे पिछले तीन वर्षों से जानते हों, कार्य ग्रहण सूचना प्रस्तुत करते समय दिया जाएगा ;
6. नियुक्ति, पद ग्रहण करने से पूर्व सम्बद्ध जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किए गए स्वास्थ्य चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के अध्यधीन की जाएगी ;
7. यथास्थिति, शैक्षणिक अर्हताओं, जाति, वास्तविक निवासी, शारीरिक विकलांगता, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले सदस्य या पूर्व अनुभव के बारे में मूल प्रमाण पत्रों की अनुप्रमाणित प्रतियां, कार्यग्रहण सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएंगी।

उपर्युक्त निर्बन्धनों और शर्तों के उसे स्वीकार्य होने की दशा में, वह संविदा करार के निष्पादन के लिए और अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्य ग्रहण करने के लिए तुरन्त, परन्तु इस नियुक्ति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से पन्द्रह दिनों के पश्चात् नहीं, रिपोर्ट करेगा/करेगी।

स्थान.....

सचिव,

जिला परिषद्.....

तारीख.....

हिमाचल प्रदेश।

श्री/श्रीमती/कुमारी.....

.....

प्ररूप-2
(नियम 7(2) देखें)

करार

यह करार आज.....दिन.....(मास).....(वर्ष)..... को श्री/श्रीमती/कुमारी.....पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री.....निवासी.....ग्राम.....तहसील.....जिला.....हिमाचल प्रदेश, जिसे जिला परिषद्.....में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किया गया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रथम पक्षकार कहा गया है) और जिला परिषद्.....के मध्य इस के सचिव द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् द्वितीय पक्ष कहा गया है) के बीच किया जा रहा है।

द्वितीय पक्षकार ने पक्षों के बीच इसमें इसके पश्चात् करार के निबन्धनों और शर्तों पर प्रथम पक्षकार को कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किया है:-

1. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार की, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में आज.....दिन.....मास.....वर्ष से प्रारम्भ होने वाले एक वर्ष की अवधि के लिए संविदा के आधार पर सेवा करेगा और यह विनिर्दिष्टतः वर्णित किया गया है और दोनों पक्षों द्वारा करार किया जाता है कि प्रथम

पक्षकार के नियोजन की संविदा, स्वयमेव ही.....को समाप्त हो जाएगी और द्वितीय पक्षकार द्वारा उसे सम्प्रेषित करने के लिए किसी औपचारिक नोटिस/आदेश की आवश्यकता नहीं होगी।

2. यह कि प्रथम पक्षकार अपने आपको द्वितीय पक्षकार के आदेश हेतु तथा अध्यक्ष या सचिव द्वारा इसके अधिकारियों और प्राधिकारियों जिनके अधीन उसे समय समय पर रखा जाएगा, प्रस्तुत करेगा और इस निमित्त जारी किए गए अनुदेशों और निदेशों का पालन करेगा तथा ऐसे कर्तव्यों, जो उसे समनुदेशित किए जाएं, का पालन करेगा।

3. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार की दक्षतापूर्वक तथा उसकी सर्वोत्तम तुष्टि के अनुसार सेवा करेगा और वह अपना पूरा समय द्वितीय पक्षकार के कर्तव्यों की सेवा में निरत रहेगा तथा अपने आपको प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी व्यापार या कारबार या व्यवसाय में अपनी ओर से नहीं लगाएगा और यह भी कि (प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी द्वारा दुर्घटना या बीमारी प्रमाणित किए बिना) द्वितीय पक्षकार के निमित्त अध्यक्ष या सचिव जिला परिषद् से पूर्व में अनुज्ञा लिए बिना, अपने कर्तव्यों से अपने को अनुपस्थित नहीं रखेगा। प्रथम पक्षकार, प्राधिकृत चिकित्सा छुट्टी के बिना अनुपस्थित अवधि के लिए किसी पारिश्रमिक या भत्तों का हकदार नहीं होगा।

4. प्रथम पक्षकार की सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी,—

- (i) संविदा अवधि की समाप्ति पर ;
- (ii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना पूर्व नोटिस के, यदि इसकी तुष्टि होती है कि प्रथम पक्षकार अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अपने कर्तव्य निर्वहन में अयोग्य है और प्रचुर अवधि तक अयोग्य बने रहने की संभावना है। द्वितीय पक्षकार का विनिश्चय कि प्रथम पक्षकार के अयोग्य रहने की संभावना है, प्रथम पक्ष पर निश्चायक रूप से बाध्यकर होगा ;
- (iii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना किसी पूर्व नोटिस के, यदि प्रथम पक्षकार, यथास्थिति किसी अनधीनता या असंयम या नैतिक अद्यमता या अन्य अवचार या किसी भंग अथवा इस करार या नियमों के किन्हीं उपबंधों के अनुपालन का प्रथम दृष्टया दोषी पाया जाता है ; और
- (iv) द्वितीय पक्षकार की ओर से सचिव जिला परिषद् द्वारा इस करार के अधीन सेवा के दौरान किसी समय कोई कारण चाहे जो भी हो, नियत किए बिना एक मास के लिखित नोटिस या नोटिस के बजाए एक मास के पारिश्रमिक का संदाय करने द्वारा।

5. यह कि प्रथम पक्षकार, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2009 के उपबंधों के अनुसरण में द्वितीय पक्षकार की सेवा करेगा।

6. यह कि प्रथम पक्षकार द्वारा यह विनिर्दिष्ट रूप में करार पाया गया है कि इस करार के अधीन सेवाकाल के दौरान अपनी सेवा के नियमितिकरण के लिए किसी अधिकार का दावा नहीं करेगा।

इसके साक्ष्य स्वरूप प्रथम पक्षकार और प्रतिभूतियों ने उनकी ओर से और द्वितीय पक्षकार ने इसके सचिव द्वारा द्वितीय पक्षकार की ओर से इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

निम्नलिखित की उपस्थिति में प्रथम पक्ष द्वारा हस्ताक्षरित:

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

प्रथम साक्षी :

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

पता.....
व्यवसाय.....

द्वितीय साक्षी:
पता.....
व्यवसाय.....

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

द्वितीय पक्ष द्वारा निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया:

(द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर) प्रथम

साक्षी:
पता.....
व्यवसाय.....

द्वितीय साक्षी:
पता.....
व्यवसाय.....

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification Number PCH-HA(3)25/2007-1407-31, 22nd May, 2009 as required under clause(3) of article 348 of the Constitution of India].

PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 009, the 22nd May, 2009

NO. PCH-HA(3)25/2007.—Whereas the draft Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and conditions of service of Junior Scale Stenographers in Zila Parishads) Rules, 2009 were published in the Rajpatra, Himachal Pradesh dated 4th March, 2009 for inviting objections and suggestions from the general public, vide this department notification of even number dated 2nd March, 2009 as required under the provisions of section 186 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994);

And whereas, no objection/suggestion has been received during the stipulated period ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 186 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994), the Governor of Himachal Pradesh, is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of the aforesaid Act, namely:—

1. Short title.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and conditions of service of Junior Scale Stenographers in Zila Parishads) Rules, 2009.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Act” means the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994;
- (b) “Chief Executive Officer” means the Project Officer, Integrated Tribal Development Project in the case of Zila Parishad Kinnaur and Lahaul-Spiti and Additional Deputy Commissioners of the concerned Districts in the case of other ten Zila Parishads;
- (c) “Form” means a form appended to these rules; and
- (d) “Secretary” means Secretary of Zila Parishad concerned.

- (2) The words and expressions used but not defined in these rules shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

3. Number of posts and their scales of pay.—(1) There shall be one post of Junior Scale Stenographer, who will function with the Chairman of Zila Parishad, in each Zila Parishad and he shall be paid fixed emoluments of Rs.6600/- per month in the pay scale of Rs.4400-150-5000-160-5800-200-7000 or such emoluments as may be determined by the State Government from time to time.

- (2) The monthly emoluments to the Junior Scale Stenographer shall be disbursed through the Secretary out of the Grant-in-Aid provided by the State Government for this purpose.

4. Minimum educational qualifications require.—(1) The candidate to be appointed as Junior Scale Stenographer shall possess minimum educational qualification of Ten plus Two(10 + 2) or its equivalent, from Board of School Education recognized by the Himachal Pradesh Government:

Provided that a person already appointed as Personal Assistant in Zila Parishad under the repealed rules with the monthly remuneration of Rs.3000/-(Rupees Three Thousand),-

- (i) shall be redesignated as Junior Scale Stenographer from the date of commencement of these rules; and
- (ii) shall possess educational qualification of Ten plus two (10+2) within three years from the date of commencement of these rules and in case he does not possess the same at the time of his appointment as Personal Assistant under the repealed rules otherwise his contract shall not be renewed/extended.

- (2) Every candidate to be appointed as Junior Scale Stenographer shall have a speed of eighty and seventy words per minute in English and Hindi shorthand respectively and forty and thirty words per minute in English and Hindi typewriting respectively:

Provided that a candidate shall also be eligible to apply for the post having the requisite speed as mentioned above in shorthand and typewriting in one language only, and in the event of his selection to the post, he shall qualify the test in other language within six months from the date of joining to the post.

5. Age and other eligibility conditions.—A person to be appointed as Junior Scale Stenographer shall be eligible, if,—

- (a) his age as on 1st January of the year in which he applies for the post is between 18 and 45 years;
- (b) he is a bonafide resident of the concerned district;
- (c) he is of sound mind and good health;
- (d) he has not been disqualified for appointment in public service or removed from public service on disciplinary grounds or has sought voluntary retirement under any Voluntary Retirement Scheme;
- (e) he has not been convicted of any offence involving moral turpitude; and
- (f) he does not have any outstanding dues payable to the State Government or Zila Parishad.

6. *Inviting of applications and procedure for selection.*—(1) The Zila Parishad concerned, through its Secretary, shall invite applications from the eligible persons by making wide publicity by displaying a notice on the notice board of the office of the Zila Parishad concerned and through Employment Exchanges in the District concerned and by advertising the post in one daily newspaper having wide circulation in the district. The application shall be addressed to the Secretary. A minimum period of 15 days shall be given for submitting applications from the date of notice and the applications shall be received and acknowledged with receipt duly signed and stamped by the Secretary.

(2) Immediately after the expiry of the period specified for receiving of applications, the Secretary shall fix the date, time and place for conducting the interview for the said post. The Secretary shall issue a notice, intimating the time schedule fixed for interview, to the members of the selection committee and as well as to the applicants:

Provided that there shall be a minimum period of ten days between the date of interview and date of issue of notice.

(3) Interview shall be conducted by the following selection Committee:—

- | | |
|--|---------------------------|
| (i) Chairman, Zila Parishad | : <i>Chairman</i> |
| (ii) Project Officer, District Rural Development Agency | : <i>Member</i> |
| (iii) Instructor of Stenography from Industrial Training Institute of the concerned District | : <i>Member</i> |
| (iv) Secretary | : <i>Member Secretary</i> |

(4) The Secretary, on the basis of the information supplied by the candidates alongwith their applications, shall compile a data list of various criterias mentioned in sub rule (6) in respect of each candidate and the exercise of compilation of said data shall be completed before the date of interview. He shall ensure that this data is provided to the selection committee on the date of interview for verification of the same with the original record brought by the candidates on the date of interview.

(5) The selection committee shall verify the certificates with their originals and also conduct typewriting and shorthand test on spot.

(6) The selection shall be made on the basis of the performance of the candidates purely on merit basis out of the total one hundred marks which shall be divided in the following manner:—

(A) Educational Qualifications

- (i) Percentage of marks obtained in Ten Plus Two (10+2) or its equivalent divided by 2.5. : to the maximum of 25 marks
- (ii) Percentage of marks obtained in Bachelor Degree divided by 20. : to the maximum of 5 marks

(B) Experience

(One mark shall be awarded for every one year of experience in relevant nature of duties performed by a candidate either in Government department or a private sector undertaking or in a reputed non-governmental organization or in any Panchayati Raj Institution). : to the maximum of 5 marks

(C) Performance in shorthand and typewriting test : to the maximum of :-

- | | |
|--------------------------------------|----------|
| (i) Shorthand in English Language | 15 Marks |
| (ii) Typewriting in English Language | 10 Marks |
| (iii) Shorthand in Hindi Language | 15 Marks |
| (iv) Typewriting in Hindi Language | 10 Marks |

(D) Personal Interview : to the maximum of 5 marks.**(E) In case of candidate belongs to the category of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other backward Classes.** : 4 Marks**(F) In case candidate belongs to Below Poverty Line family** : 3 Marks**(G) In case candidate is physically handicapped.** : 3 Marks

(7) The Secretary shall draw a panel of the candidates in the order of merit and the candidate who is first on the panel shall be selected for appointment to the post of Junior Scale Stenographer. After the selection of the Junior Scale Stenographer, a waiting list of the candidates, in the order of their merit, shall also be prepared for filling up of casual vacancy, if any occurred due to non joining or for any other reason and such waiting list shall be valid for the calendar year in which selection of candidate has been done.

7. Terms and conditions for appointment.—(1) The appointment to the post of Junior Scale Stenographer shall be purely on contract basis for a period of one year which shall be reckoned from the date of joining. The Secretary shall be the appointing authority and the appointment letter shall be issued in Form-I. The Junior Scale Stenographer shall report for duty within 15 days from the date of receipt of appointment letter :

Provided that the contract of Junior Scale Stenographer may be renewed on year to year basis as deemed fit by the appointing authority depending upon satisfactory performance of his duties.

(2) The Secretary shall sign the contract agreement with the person to be appointed as the Junior Scale Stenographer in Form-2.

(3) The Secretary, if deems proper, may disengage/remove the Junior Scale Stenographer with a prior notice of one month, if,—

- (a) he fails to qualify the shorthand and typewriting test in second language within 6 months from the date of joining if he has qualified the same in one language at the time of appointment ; or
- (b) the Zila Parishad does not have sufficient funds for payment of remuneration.; or
- (c) the Chairman of Zila Parishad or Secretary, as the case may be, is not satisfied with the services of the appointee; or
- (d) he is not willing to be governed under the provisions of these rules :

Provided that the Junior Scale Stenographer shall not be disengaged or removed unless he has been given an opportunity of being heard.

8. *Payment of Travel and Daily Allowance.*—The Junior Scale Stenographer shall be entitled to travelling and daily allowances for journeys performed by him in connection with the affairs of Zila Parishad as admissible to Grade-V servants of the State Government. The expenditure on account of payment towards travelling and daily allowances shall be borne by the Zila Parishad out of its own funds.

9. *Administrative Control.*—The Secretary, shall be the Controlling Officer for all purposes, including approval of tour programme, sanction of leave and disciplinary and supervisory matters.

10. *Disciplinary proceedings.*—(1) In case the Junior Scale Stenographer appointed by the Secretary is found to be indulging in mal-practices or does not perform his duties with due care and devotion or is found to be involved in criminal offence or commits acts of indiscipline, he may be asked to explain his conduct by the Secretary. In case his conduct is not found to be satisfactory, the Secretary may order an enquiry and impose one or more of the following penalties depending on the gravity of the case:—

- (i) censure;
- (ii) fine upto rupees two hundred to rupees five hundred by deducting the same from his remuneration;
- (iii) recovery of any loss caused; and
- (iv) termination of contract.

(2) The Chief Executive Officer, Zila Parishad shall be the Appellate Authority for consideration and decision on the appeal, if any, filed by the candidate against whom the penalties are imposed.

11. *Functions and duties of Junior Scale Stenographer.*—The Junior Scale Stenographer shall assist the Chairman of Zila Parishad in discharging day to day official business and he shall also assist the Secretary for the disposal of day to day work and functions of the Zila Parishad.

12. Surety.—The Junior Scale Stenographer shall furnish a surety bond of two thousand and five hundred rupees alongwith two sureties of the like amount to recover the loss, if any, sustained by the State Government or the Zila Parishad, as the case may be, due to any negligence or irregularity committed by him during the discharge of his duties.

13. Leave.—(1) The Junior Scale Stenographer shall be entitled for availing twelve days' casual leave in a calendar year besides the other Gazetted holidays notified by the State Government from time to time.

(2) The Junior Scale Stenographer shall also be entitled for availing ten days' leave on medical grounds in a calendar year during his illness.

(3) If the Junior Scale Stenographer is a woman, she shall be entitled to avail maximum of twelve weeks maternity leave with two or less than two surviving children.

14. Resignation.—(1) The Junior Scale Stenographer may resign from his post by giving notice in writing to the Secretary.

(2) The Secretary shall be the authority competent to accept the resignation tendered by the Junior Scale Stenographer, who shall decide the date with effect from which the said resignation shall become effective:

Provided that the Secretary shall not accept the resignation tendered by the Junior Scale stenographer, if,-

- (i) disciplinary proceeding, for recovery of any loss caused by him, is pending for decision; and
- (ii) he has any outstanding dues payable to the State Government or the Zila Parishad:

Provided further that the Junior Scale Stenographer may withdraw his resignation before it becomes effective.

15. Dispute relating to selection procedure.—In the event of any dispute relating to selection, the person aggrieved may file an appeal before the Deputy Commissioner concerned within thirty days from the date of drawal of panel under sub-rule (7) of rule 6 of these rules. The decision of the Deputy Commissioner thereon shall be final.

16. Power to remove difficulties.—If any difficulty arises in the interpretation or implementation of any of the provisions of these rules, the matter may be referred to the State Government for clarification and guidance, who shall be competent, to do anything to remove such difficulty by issuing an order not inconsistent with the provisions of the Act.

17. Repeal and Savings.—(1) On and from the date of commencement of these rules, the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and Conditions of Service of Personal Assistant in Zila Parishad) Rules, 2005 shall stand repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the rules so repealed, shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

FORM-1
[See rule 7 (1)]

APPOINTMENT LETTER

With reference to the application for the post of Junior Scale Stenographer in Zila Parishad....., received from Shri/Smt./Kumari..... son/wife/daughter of Sh....., resident of village Tehsil, district.....it is informed that the said Shri/Smt./Kumari has been selected for the said post. Therefore, he is hereby offered appointment as Junior Scale Stenographer in Zila Parishad..... on the following terms and conditions:—

1. That there shall be paid to him fixed emoluments of rupees (in figures) (in words) per month;
2. That no other allowance, whatsoever admissible to the employees of State Government from time to time shall be paid to him;
3. That the appointment shall be on contract basis for a period of one year from the date of joining;
4. That the appointment shall further be subject to terms and conditions laid down in the rules and agreement ;
5. That the antecedent verification certificate to the satisfaction of the Secretary, Zila Parishad..... from the Executive Magistrate or two Gazetted officers known to him at least for the last three years shall be given by him at the time of submission of joining report;
6. That the appointment shall be subject to the production of Certificate of medical fitness issued by the Chief Medical Officer of the concerned district before joining to the post; and
7. That the attested copies of original certificates in respect of educational qualifications, caste, bonafide resident, physically handicapped, member belonging to below poverty line or past experience, as the case may be, shall be submitted alongwith joining report.

In case, the above terms and conditions are acceptable to him, he may report for execution of the contract agreement as well as for joining duty in the office of undersigned immediately but not later than fifteen days from the date of issue of this appointment letter.

Place :
Date :

Secretary,
Zila Parishad.....
Himachal Pradesh.

Shri/Smt./Kr.....
.....

FORM-2
[See rule 7(2)]

AGREEMENT

This agreement is made on this day of(Month)

.....(Year) between Shri/Smt./Kumari
 son/wife/daughter of Shri, resident of village, Tehsil
, District, Himachal Pradesh, who has been appointed as
 Junior Scale Stenographer in Zila Parishad..... (hereinafter referred to as the first
 party) and the Zila Parishad through its Secretary (hereinafter referred
 to as the second party).

WHEREAS the second party has appointed the first party as Junior Scale Stenographer on the terms and conditions hereinafter agreed between the parties :—

1. That the first party shall serve the second party as Junior Scale Stenographer for a period of one year on contract basis commencing from this day of(Month)(Year) and it is specifically mentioned and agreed by both the parties that the contract of employment of the first party shall ipso facto stand terminated on.....and no formal notice/order by the second party conveying the same shall be necessary.

2. That the first party shall submit himself to the orders of the second party and of the officers and authorities under whom he may from time to time be placed by the Chairman or the Secretary, as the case may be, and shall obey their instructions or directions in this behalf and shall perform such duties as may be assigned to him.

3. That the first party shall serve the second party efficiently and to the best of his satisfaction and it shall devote his whole time to the duties of the service of the second party and shall not engage himself directly or indirectly in any trade or business or occupation on his own account and also that he shall not (except in case of accident or sickness certified by the Authorized Medical Officer) absent himself from his duties without having first obtained permission from the Chairman or the Secretary, Zila Parishad on behalf of the second party. The first party shall not be entitled for emoluments and allowances for the period of absence except the authorised medical leave.

4. The services of the first party shall stand terminated,-

- (i) at the end of contractual period ;
- (ii) without previous notice by the second party, if it is satisfied that the first party is unfit and is likely to continue to be unfit for a considerable period by reason of his ill health for the discharge of his duties. The decision of the second party that the first party is likely to continue to be unfit shall be conclusively binding on the first party;
- (iii) by the second party without any previous notice if the first party is found to be prima facie guilty of any insubordination or intemperance or moral turpitude or other misconduct or if any breach or non-performance of any of the provisions of this agreement or rules, as the case may be; and
- (iv) by one month notice in writing given at any time during service under this agreement by the Secretary, Zila Parishad on behalf of the second party without assigning any reason whatsoever or on payment of one month emoluments in lieu of the notice.

5. That the first party shall serve the second party in accordance with the provisions of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and Conditions of Service of Junior Scale Stenographer in Zila Parishad) Rules, 2009.

6. That it is specifically agreed by the first party that during the course of service under this agreement he shall not claim any right for regularisation of his service.

IN WITNESS WHEREOF the first party and the sureties have hereunto set their hands and the second party through its Secretary for and on behalf of the second party has hereunto set his hand.

Signed by the first party in the presence of :

.....
(signature of the first party)

First witness:

Address

.....
(signature of the surety)

Occupation

Second witness :

.....
(signature of the surety)

Address

Occupation

Signed by the second party in the presence of:

First witness:

.....
(signature of the second party)

Address

Occupation

Second witness :

Address

Occupation

By order,

Sd/-

Secretary (Panchayati Raj).

ब अदालत श्री सुर्जन सिंह, कार्यकारी दण्डाधिकारी, भोरंज, जिला हमीरपुर (हि० प्र०)

श्री विशन दास पुत्र श्री भगत राम, गांव धिरड़, डा० नगरोटा गाजियां, तहसील भोरंज, जिला हमीरपुर (हि० प्र०) . . प्रार्थी ।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री विशन दास प्रार्थी ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित प्रार्थना की है कि उसके पिता श्री भगत राम पुत्र श्री हीरू की मृत्यु दिनांक 10—11—2008 को गांव धिरड़ में हुई है परन्तु ग्राम पंचायत धिरड़ के रिकार्ड में मृत्यु की तिथि पंजीकृत नहीं हुई है जिस के पंजीकरण बारे ग्राम पंचायत धिरड़ को आदेश दिए जाएंगे ।

इस नोटिस/इशतहार के द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष को श्री भगत राम मृतक की मृत्यु तिथि के पंजीकरण बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह अपना एतराज इस

अदालत में दिनांक 29-6-2009 को प्रातः 10 बजे असालतन या वकालतन हाजिर आकर प्रास्तुत कर सकता है अन्यथा प्रार्थी के शपथ पत्रके आधार पर मृतक श्री भगत राम की मृत्यु की तिथि के पंजीकरण के आदेश ग्राम पंचायत धिरड़ को पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 8-5-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सुर्जन सिंह,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
भोरंज, जिला हमीरपुर (हि0 प्र0)।

**In the Court of Shri Pankaj Rai, HPAS, Marriage Officer-cum-Sub-Divisional
Magistrate, Hamirpur, District Hamirpur (H. P.)**

In the matter of :

1. Shri Pankaj Kumar, aged 23 years s/o Shri Prem Singh, r/o Village Chowki Kankari, Tappa Mehalta, Tehsil & District Hamirpur (H. P.).

2. Richa Kumari, aged 19 years d/o Shri Kush Raj, r/o Village & P. O. Chhatari Supper, Tehsil Thunag, District, District Mandi (H. P.) . . Applicants.

Versus

General Public

Subject.—Proclamation for the registration of marriage under Special Marriage Act, 1954.

Shri Pankaj Kumar & Richa Kumari have filed an application alongwith affidavits in the court of undersigned under Special Marriage Act, 1954 in which they intend to solemnize marriage within one month.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 26-6-2009. The objection received after 26-6-2009 will not entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 15-5-2009 under my hand and seal of the court.

Seal.

PANKAJ RAI,
*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Hamirpur, District Hamirpur (H. P.).*

ब अदालत श्री जय पाल खैरा, नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नम्बर : 8/ई0 एम0/09

तारीख पेशी : 12-6-2009

जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील
इन्दौरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

विषय.—दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील
इन्दौरा, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत करते हुए गुजारिश की है कि उसकी लड़की
अलका पठानियां का जन्म दिनांक 27-10-1986 को गांव चंगराड़ा में हुआ था, जिसकी जन्म तिथि वह
अज्ञानतावश ग्राम पंचायत राजा खासा के अभिलेख में दर्ज न करवा सका था, अब दर्ज की जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्रा हिमाचल प्रदेश के माध्यम से सूचित किया जाता है
कि यदि किसी व्यक्ति/रिश्तेदार को उपरोक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह
दिनांक 12-6-2009 को प्रातः 10.00 बजे अदालतन या वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर पेश कर
सकता है अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में उक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने के आदेश पारित कर दिए
जाएंगे।

आज दिनांक 8-5-2009 को मेरे हस्ताक्षर एवम् मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

जय पाल खैरा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री जय पाल खैरा, नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नम्बर : 9/ई0 एम0/09

तारीख पेशी : 12-6-2009

जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील
इन्दौरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

विषय.—दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील
इन्दौरा, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत करते हुए गुजारिश की है कि उसकी लड़की

सपना पठानियां का जन्म दिनांक 8-2-1984 को गांव चंगराड़ा में हुआ था, जिसकी जन्म तिथि वह अज्ञानतावश ग्राम पंचायत राजा खासा के अभिलेख में दर्ज न करवा सका था, अब दर्ज की जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्रा हिमाचल प्रदेश के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/रिश्तेदार को उपरोक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 12-6-2009 को प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में उक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 8-5-2009 को मेरे हस्ताक्षर एवम् मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

जय पाल खैरा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री जय पाल खैरा, नायब तहसीलदार एवम् कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नम्बर : 8/ई0 एम0/09

तारीख पेशी : 12-6-2009

जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

विषय.—दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री जोगिन्दर सिंह पठानियां पुत्र श्री वेली राम पठानियां, निवासी गांव चंगराड़ा, डाकघर भूपू, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते हुए गुजारिश की है कि उसके लड़के विरेन्द्र सिंह पठानियां का जन्म दिनांक 22-5-1998 को गांव चंगराड़ा में हुआ था, जिसकी जन्म तिथि वह अज्ञानतावश ग्राम पंचायत राजा खासा के अभिलेख में दर्ज न करवा सका था, अब दर्ज की जावे।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्रा हिमाचल प्रदेश के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति/रिश्तेदार को उपरोक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 12-6-2009 को प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में उक्त जन्म तिथि पंजीकृत करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 8-5-2009 को मेरे हस्ताक्षर एवम् मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

जय पाल खैरा,
कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री जे0 आर0 शर्मा, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं0 :

श्रीमती प्रेमलता

बनाम

आम जनता।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.
नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री रतन चन्द, निवासी दाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसके पुत्र अभिषेक कलवर का जन्म दिनांक 12-4-1989 है। परन्तु ग्राम पंचायत दाड़ी में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किए जाने के आदेश दिए जाएं।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बच्चे अभिषेक कलवर का जन्म पंजीकृत किए जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 22-6-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किए जाने बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 2-5-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

जे0 आर0 शर्मा,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री जे0 आर0 शर्मा, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं0 :

श्री विशाल कुमार

बनाम

आम जनता।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री विशाल कुमार पुत्र श्री जगदीश कुमार, निवासी वणी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा ने इस अदालत में शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उसकी पुत्री साक्षी चौहान का जन्म दिनांक 10-2-2006 हुआ है। परन्तु सी0 वी0 योल में जन्म पंजीकृत न है। अतः इसे पंजीकृत किए जाने के आदेश दिए जाएं।

इस नोटिस के द्वारा समस्त जनता को तथा सम्बन्धित सम्बन्धियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बच्चे साक्षी चौहान का जन्म पंजीकृत किए जाने बारे कोई एतराज हो तो वह अपना एतराज हमारी अदालत में दिनांक 22-6-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है अन्यथा मुताबिक शपथ—पत्र जन्म तिथि पंजीकृत किए जाने बारे आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 2-5-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

जे0 आर0 शर्मा,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री नागेशवर दत्त, कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्दरनगर, जिला मण्डी, (हि0 प्र0)

ब मुकद्दमा :

श्री बुधी सिंह पुत्र श्री डागी राम, निवासी पुल, तहसील जोगिन्दरनगर, जिला मण्डी वादी।

बनाम

आम जनता प्रतिवादी।

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

वादी ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र श्याम सिंह की मृत्यु दिनांक 24-11-2007 को हुई है, लेकिन पंचायत अभिलेख गलू में दर्ज ना है। महोदय अब दर्ज की जावे। पंचायत गलू का प्रमाण-पत्र संलग्न है।

अतः इशतहार द्वारा सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 30-5-2009 को सुबह 10.00 बजे असातन या वकालतन अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 30-4-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।

मोहर।

नागेशवर दत्त,
कार्यकारी दण्डाधिकारी जोगिन्दरनगर,
जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब न्यायालय सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री मनसा सुरज पुत्र श्री सन्त, निवासी व डाकघर समैला, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता प्रत्यार्थी।

विषय.—नाम दुरुस्त करने बारे।

प्रार्थी उपरोक्त ने प्रार्थना—पत्र इस आशय से इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी का सही नाम मनशा सुरज है परन्तु राजस्व रिकार्ड मुहाल समैला में प्रार्थी का नाम गलती से मनशा राम उर्फ सुरज दर्ज है। प्रार्थी इसे दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 5-6-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर न्यायालय आकर पेश कर सकते हैं। गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एकपक्षीय अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 17-4-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, सरकाघाट,
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब न्यायालय सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री सतीश कुमार पुत्र श्री हरभजन सिंह, निवासी हंसाल, डाकघर जमणी, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थी।

विषय.—नाम दुरुस्त करने बारे।

प्रार्थी उपरोक्त ने प्रार्थना—पत्र इस आशय से इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है कि उसके पिता का सही नाम हरभजन सिंह है परन्तु राजस्व रिकार्ड मुहाल हंसाल में गलती से हरभज दर्ज है। प्रार्थी इसे दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई एतराज हो तो वह मिति 28-5-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर न्यायालय आकर पेश कर सकते हैं। गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक पक्षीय अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 24-4-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, सरकाघाट,
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री बी० सी० मिश्रा, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
उप-तहसील कोटली, जिला मण्डी (हि० प्र०)

ब मुकद्दमा :

श्री बिरी सिंह पुत्र श्री घौदा, निवासी मुहाल हवाणसरी, ईलाका तुगल, उप-तहसील कोटली, जिला मण्डी (हि० प्र०)

प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थीगण।

दरखास्त राजस्व अभिलेख में नाम दुरुस्ती बारे।

श्री बिरी सिंह पुत्र श्री घौदा, निवासी हवाणसरी, ईलाका तुगल ने इस आशय से आवेदन-पत्र मय शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है कि मेरा वास्तविक नाम बिरी सिंह है जो कि स्कूल प्रमाण-पत्र व ग्राम पंचायत अभिलेख में दर्ज है परन्तु राजस्व अभिलेख में घरेलू नाम बरेस्तू राम दर्ज है। अतः राजस्व अभिलेख में मेरे नाम की दुरुस्ती की जावे।

अतः सर्वसाधारण जनता को बजरिया राजपत्र इश्तहार सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 3-6-2009 को या इससे पूर्व असालतन व वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा हाजिर न होने की सूरत में नाम दुरुस्ती के आदेश पारित कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 5-5-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बी० सी० मिश्रा,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील कोटली, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री बलबीर ठाकुर, उपमण्डल दण्डाधिकारी, अर्की, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

श्री प्रकाश पुत्र श्री तीर्थ राम, निवासी ध्यानपुर, डाकघर घनागुघाट, तहसील अर्की, जिला सोलन (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

विषय.—पंचायत अभिलेख में नाम दर्ज करने बारे।

प्रार्थी उपरोक्त ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसकी पुत्री का जन्म 12-4-2005 को हुआ है लेकिन उसका नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं है। अतः अब वह अपनी पुत्री का नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज करवाना चाहता है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि इस बारे किसी को कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 16-6-2009 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर प्रस्तुत कर सकता है निश्चित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर श्री जय प्रकाश की उपरोक्त पुत्री का नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज करने बारे आवश्यक कार्यवाही नियमानुसार कर दी जाएगी।

आज दिनांक 16-5-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बलबीर सिंह ठाकुर,
उपमण्डल दण्डाधिकारी,
अर्की, जिला सोलन (हि० प्र०)।